देवनागरी उर्दू

# हज़रत ईसा अल-मसीह की ख़ास पैदाइश

# हज़रत ईसा अल-मसीह की ख़ास पैदाइश

पिछले सबक में, मैंने आप को हज़रत ईसा अल-मसीह का वाक़िआ सुनाया। याद रखिए, हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश ख़ास थी। वो एक कुंवारी औरत से पैदा हुए। फ़रिश्ते भी आए, और उन की पैदाइश का ऐलान किया। क्या किसी और नबी की पैदाइश इतनी ख़ास थी?

हज़रत ईसा अल-मसीह के मोजिज़ात भी बहुत ख़ास थे। उन्हों ने बीमारों को ठीक किया, मुर्दों को ज़िंदा किया। एक मर्तबा हज़रत ईसा अल-मसीह ने सिर्फ़ पाँच रोटी और दो मछलियों से पाँच हज़ार लोगों को खाना खिलाया! क्या किसी और नबी ने इतने बड़े मोजिज़ात दिखाए?

हज़रत ईसा अलमसीह की तालीम भी लाजवाब थी। उन्हों ने फ़रमाया:

**"राह और हक़ और ज़िंदगी मैं हूँ। कोई मेरे वसीले के बग़ैर बाप के पास नहीं आ सकता।"**

तो हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश ख़ास थी, उन्हों ने बड़े मोजिज़ात दिखाए, और उन की तालीम बेमिसाल थी। मगर इन सब से भी ज़्यादा ख़ास बात यह है कि हज़रत ईसा अल-मसीह ने हमारे गुनाहों की माफ़ी के लिए अपनी जान की क़ुर्बानी दी। उन्हें दफ़्न किया गया, और तीन दिन बाद वो दोबारा ज़िंदा हो गए। वो क़ब्र से निकल कर जन्नत चले गए! आज हज़रत ईसा अल-मसीह जन्नत में हैं, और क़ियामत के दिन से पहले वो दोबारा आएंगे।

आज मैं हज़रत ईसा अल-मसीह की ख़ास पैदाइश के बारे में इंजील शरीफ़ का एक हिस्सा आप को सुनाना चाहता हूँ। मत्ती के पहले हिस्से में इंजील शरीफ़ के अंदर उनकी मोजिज़ाना पैदाइश लिखी गई है।

**<u>इंजील-ए-मत्ती (1:18-25)</u>**

हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश यूं हुई:

**उस वक़्त उस की माँ मरियम की मँगनी यूसुफ़ के साथ हो चुकी थी कि वह रूहुल-क़ुद्स से हामिला पाई गई। अभी उनकी शादी नहीं हुई थी।**

**उसका मंगेतर यूसुफ़ रास्तबाज़ था, वह अलानिया मरियम को बदनाम नहीं करना चाहता था। इसलिए उसने ख़ामोशी से यह रिश्ता तोड़ने का इरादा कर लिया।**

**वह इस बात पर अभी ग़ौरो-फ़िकर कर ही रहा था कि रब का फ़रिश्ता ख़ाब में उस पर ज़ाहिर हुआ और फ़रमाया, "यूसुफ़ बिन दाऊद, मरियम से शादी करके उसे अपने घर ले आने से मत डर, क्योंकि पैदा होनेवाला बच्चा रूहुल-क़ुद्स से है।**

**उसके बेटा होगा और उसका नाम ईसा रखना, क्योंकि वह अपनी क़ौम को उसके गुनाहों से रिहाई देगा।"**

**यह सब कुछ इसलिए हुआ ताकि रब की वह बात पूरी हो जाए जो उसने अपने नबी की मारिफ़त फ़रमाई थी,**

www.taleemulkalam.org

**“देखो एक कुँवारी हामिला होगी। उससे बेटा पैदा होगा और वह उसका नाम इम्मानुएल रखेंगे।” (इम्मानुएल का मतलब ‘ख़ुदा हमारे साथ’ है।)**

**जब यूसुफ़ जाग उठा तो उसने रब के फ़रिश्ते के फ़रमान के मुताबिक़ मरियम से शादी कर ली और उसे अपने घर ले गया।**

**लेकिन जब तक उसके बेटा पैदा न हुआ वह मरियम से हमबिसतर न हुआ। और यूसुफ़ ने बच्चे का नाम ईसा रखा।**

अब, मैं आप को इस वाक़िए के चार अहम बातें बताता हूँ, जो हज़रत ईसा अलमसीह के बारे में सिखाई जाती हैं:

**पहली बात:** हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश का पैग़ाम पैग़म्बरों ने पहले से दिया था। जैसे हज़रत यशाया (अलैहिस्सलाम) ने हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश से सात सौ साल पहले फ़रमाया:

**“देखो एक कुँवारी हामिला होगी। उससे बेटा पैदा होगा और वह उसका नाम इम्मानुएल रखेंगे।” (इम्मानुएल का मतलब ‘ख़ुदा हमारे साथ’ है।)**

**दूसरी बात:** हज़रत जिबरील (अलैहिस्सलाम) ने हज़रत मरियम अलैहस्सलाम को उन की पैदाइश के बारे में बताया। और यूसुफ़ को भी एक फ़रिश्ते ने ख़्वाब में आकर सब कुछ बताया। इंजील शरीफ़ में लिखा है कि फ़रिश्तों की कई फौज आई और चरवाहों को हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश की ख़ुशख़बरी सुनाई। ये सब इस बात का सबूत है कि हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश बहुत ख़ास थी।

**तीसरी बात:** हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश सब से अलग थी, क्यों कि वो एक कुंवारी माँ से पैदा हुए। हज़रत आदम (अलैहिस्सलाम) से ले कर हज़रत ईसा अल-मसीह तक हर शख़्स बाप के ज़रिए पैदा होता रहा है। मगर हज़रत ईसा अल-मसीह अल्लाह की रूह से, एक कुंवारी से पैदा हुए — बग़ैर किसी बाप के। इसी वजह से वो बिल्कुल पाक थे, उन में कोई गुनाह नहीं था।

**चौथी बात:** फ़रिश्ते ने यूसुफ़ से कहा: **“इस का नाम ईसा रखना, क्यों कि वो अपनी क़ौम को उन के गुनाहों से रिहाई देगा।”**

गुनाहों से निजात देना हज़रत ईसा अल-मसीह का मक़सद था। इंजील शरीफ़ के मुताबिक़:
**“सब ने गुनाह किया, सब अल्लाह के जलाल से महरूम हैं।”**

मगर हज़रत ईसा अल-मसीह के अंदर कोई गुनाह नहीं था, इसलिए उन्हों ने हमारे लिए अपनी जान सलीब पर क़ुर्बान की — ताकि हमारे गुनाह माफ़ हो सकें। उम्मीद करता हूँ कि आज आप ने इंजील शरीफ़ की ताक़त को समझा होगा। हज़रत ईसा अल-मसीह की पैदाइश वाक़ई सब से ख़ास थी। वो आप को आज भी पुकार रहे हैं ताकि आप उन के शागिर्द बन जाएं।

क्या आप उन का रास्ता इख़्तियार करने के लिए तैयार हैं?

www.taleemulislam.org

हमसे जुड़ने के लिए आइकॉन पर क्लिक करें.....